महावीरा कृषि समाचार

YEAR 4 | EDITION 1 जनवरी, 2026 www.rmphosphates.com

एग्रीकल्चर News:

गेहूं, चना और तिलहनों की बुवाई में किसानों का बढ़ा भरोसा

रबी सीजन 2025-26 में खेती को लेकर किसानों का उत्साह साफ नजर आ रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस बार रबी फसलों की बुवाई पिछले साल की तुलना में ज्यादा क्षेत्र में हुई है। कुल मिलाकर देश में रबी फसलों का रकबा 6.87 लाख हेक्टेयर बढ़ा है, जो खेती के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 26 दिसंबर 2025 तक देश में लगभग 614.30 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में रबी फसलों की बुवाई पूरी हो चुकी है। जबकि पिछले साल इसी समय यह आंकड़ा 607.43 लाख हेक्टेयर था। यानी इस बार खेती का दायरा पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा है।

RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये,
आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412
MAHAVEERA ZITRON

गन्ने की उन्नत खेती के बारे में जानकारी -

मृदा तैयारी व परीक्षण

- **गहरी जुताई करें** और मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक दें।
- गहरी जुताई कर **मिट्टी को भुरभुरा** बनाएँ और खेत समतल करें।
- बुवाई से पहले **मृदा परीक्षण** कराएँ ताकि उर्वरक संतुलित मात्रा में दिया जा सके।
- परीक्षण के आधार पर **जैविक खाद, NPK व सूक्ष्म तत्व (ज़िंक, बोरॉन आदि)** का सही उपयोग करें।

उन्नत किस्मों का चयन

- अपने क्षेत्र के अनुसार **अधिक उपज व अधिक शक्कर प्रतिशत** वाली किस्में बोएँ।
- क्षेत्र व जलवायु के अनुकूल, **अधिक उपज और अधिक शक्कर प्रतिशत देने** वाली किस्में चुनें।
- **रोग-कीट सहनशील** और **अच्छी अंकुरण क्षमता** वाली किस्मों को प्राथमिकता दें।
- स्थानीय कृषि विश्वविद्यालय/चीनी मिल द्वारा **अनुशंसित एवं प्रमाणित बीज** ही प्रयोग करें।

RMPCL
आ गया है एकसाथ 5 पोषक तत्वों वाला
5 का दम
महावीरा ज़िरोंन सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

बीज मात्रा (Seed Rate)

- रोगमुक्त 2–3 आँख वाले सेट लें तथा **फफूंदनाशी/जैविक** उपचार करें।
- स्वस्थ, रोगमुक्त एवं **2–3 आँख वाले गन्ने के सेट** का चयन करें।
- बुवाई से पहले सेटों को **फफूंदनाशी/कीटनाशी या जैविक घोल** में उपचारित करें ताकि रोगों से बचाव हो।

सिंचाई प्रबंधन

- ड्रिप सिंचाई अपनाकर **जल की बचत व अधिक उपज** प्राप्त करें।
- फसल की अवस्था व मौसम के अनुसार **समय पर सिंचाई** करें।
- **ड्रिप सिंचाई** अपनाकर पानी की बचत करें और उपज व शक्कर रिकवरी बढ़ाएँ।

रैटून फसल प्रबंधन (गन्ना)

- कटाई के तुरंत बाद ठूंठ को **समतल करें** और सूखे पत्ते हटाएँ।
- शीघ्र सिंचाई कर **नाइट्रोजन व पोटाश** की उचित मात्रा दें।
- **खरपतवार, कीट व रोग** नियंत्रण पर विशेष ध्यान दें ताकि रैटून से अच्छी उपज मिले।

संतुलित पोषण प्रबंधन

- नाइट्रोजन को किस्तों में दें तथा ज़िंक, बोरॉन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग करें।

खाद और उर्वरक खाद और उर्वरक प्रबंधन

गन्ने की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन (अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 100:60:60) प्रति एकड़

अवधि	Mahaveera Ziron Power Plus	MOP	Urea	Symtron	AMITRON-Z (Zinc + Amino Acid)	BALECO NPK (11:11:08)	Ferochi EDTA Fe (17%)	Zintawik Zinc Oxide (39.5%)
	KG	KG	KG	ML	ML	ML	ML	ML
बुवाई के समय	200	50	50	4	0	0	1	0
अंकुरण के समय	0	0	70	0	250	0	0	0
कल्ले निकलते समय	0	0	70	0	250	250	0	0
मिट्टी चढ़ाते समय दें	175	50	70	4	0	0	1	250
कुल मात्रा KG/GM/ML	375	100	260	8	500	250	2	250
जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम प्रति लीटर पानी मे	25-30 दिन की अवधि मे 19:19:19 , 45-50 दिन की अवधि मे 12:61:00 का 50-55 दिन की अवधि मे CN+B + 00:52:34 का तथा 80-85 दिन की अवधि मे 13.00.45/ 00.00.50 का एक छिड़काव अवश्य करे।							

गन्ने की खेती में खेत की तैयारी के समय **8–10 टन प्रति एकड़ फार्मयार्ड मैन्योर (गोबर की खाद / FYM)** का प्रयोग करना चाहिए।

प्रति एकड़ उपज (गन्ना)

- उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने पर गन्ने की औसत 35–45 टन प्रति एकड़ उपज प्राप्त की जा सकती है।

RMPCL किसान भाइयों की हर परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज
महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद और सूक्ष्मतत्वों का साथ
MAHAVEERA ZIRON

महावीरा एग्री एड्वाइज़री

Animal Milking: हेल्दी और साफ-सुथरे दूध के भी मिलते हैं अच्छे दाम, जानें क्या करें ?

Animal Milking में पशु का दूध निकालने के बाद उसे कपड़े से जरूर छान लें। ऐसा करने से दूध में आने वाले पशु के बाल, मिट्टी और दूसरे कण कपड़े की वजह से दूध से अलग हो जाते हैं। इतना ही नहीं दूध निकालने के फौरन बाद ही दूध के बर्तन को पशु के शेड से दूर ले जाकर रख दें। दूध को दूषित होने से बचाने के लिए ऐसा करना बहुत जरूरी है।

पाले से अपनी फसल को कैसे बचाएं?

पाले से फसल बचाने के लिए खेत में हल्की सिंचाई करें, गोबर या घास जलाकर धुआं करें, सल्फर या यूरिया का छिड़काव करें, और पौधों को टाट या पॉलिथीन से ढकें; रात में नमी बनाए रखना और तापमान गिरने से रोकना मुख्य उपाय हैं, जो फसल को पाले से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

पाला पड़ने से पौधे क्यों सूख जाते हैं?

पाला पड़ने पर पौधों के सूखने का मुख्य कारण, पौधों की कोशिकाओं के अंदर मौजूद पानी का जमना है। पौधे में पानी जमने से यह पानी फैलने लगता है, जिससे कोशिकाएं और उनकी झिल्ली फट जाती हैं। इससे पौधे में पानी की कमी हो जाती है।

RMPCL
किसान भाइयों की हर परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज
महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद और सूक्ष्मतत्वों का साथ
MAHAVEERA ZIRON

ठंड से फसल को कैसे बचाया जा सकता है?

सर्दियों में ज़मीन को खुला छोड़ने के बजाय पौधों के बीच सूखी घास या पुआल बिछाएं, जो 'रजाई' का काम करके मिट्टी को गर्म रखती है और नमी बचाती है। यह तकनीक विशेष रूप से आलू और सब्जियों की खेती के लिए सर्दियों में किसी वरदान से कम नहीं है। क्रिस्टल क्रॉप के उत्पादों के साथ अपनी फसलों को सुरक्षित रखें!

RMPCL
महावीरा ले कर आया है अपने किसान भाइयों के लिए
उत्तम जल घुलनशील उर्वरक उम्दा क्वालिटी के साथ

चने की खेती के मुख्य रोग निम्नलिखित हैं:

उखटा रोग (फ्यूज़ेरियम विल्ट)

सूखा जड़ गलन / कॉलर रॉट

झुलसा रोग (एस्कोकाइटा ब्लाइट)

चूर्णी फफूंद (पाउडरी मिल्ड्यू)

जंग रोग (रस्ट)

RMPCL
आ गया है एकसाथ 5 पोषक तत्वों वाला 5 का दम
महावीरा ज़िरोंन सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

महावीरा यशोगाथा

लखन राजपूत
नौसर, हरदा
फसल- चना, मूंग, गेहूं
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मैं करीबन 3 साल से महावीरा ज़िरोंन खाद का उपयोग कर रहा हूँ। इसके उपयोग से मुझे मेरी चने, मूंग और गेहूं की फसल में बहुत ही अच्छे परिणाम देखने को मिले। इस वर्ष भी मैंने गेहूं की बुवाई के दौरान उसमें ज़िरोंन खाद का उपयोग किया था। जिससे मुझे फसल में बेहतर वृद्धि और 20 गुना उत्पादन की बढ़ोतरी देखने को मिली है। मेरा सभी किसान भाइयों से अनुरोध है कि आप भी महावीरा ज़िरोंन का अवश्य उपयोग करें और इसके परिणाम देखें।

कुलदीप सिंह
छपरा, अंबाला, हरियाणा
फसल- गन्ना और चिली
प्रोडक्ट- महावीरा बोरॉन

मैंने अपनी 20-22 एकड़ की ज़मीन में महावीरा ज़िरोंन खाद का उपयोग किया। मुझे इसके अच्छे रिजल्ट देखने को मिले। मैंने इसका उपयोग गन्ने और चिली में किया जो मुझे कई ज़्यादा बेहतर लगा। मैं अपने सभी किसान भाइयों से यही कहना चाहूँगा कि इसका खर्चा भी कम है इसलिए यह किफायती होने के साथ-साथ प्रभावी भी है। आप सभी इसका ज़रूर उपयोग करें और अच्छे रिजल्ट्स देखें।

RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412